



15वें महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवार्ड्स में बैरी जॉन सम्मानित होंगे

नई दिल्ली। महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवार्ड्स (मेटा) और फेस्टिवल 2020 ने घोषणा की कि मेटा 2020 लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध अभिनेता, निर्देशक, डिजाइनर, लेखक और शिक्षक बैरी जॉन को दिया जाएगा। स्कूल स्तर पर नाटक और रंगमंच अध्ययन की स्थापना में अग्रणी भूमिका निभाने वाले एवं थिएटर एक्शन ग्रुप के संस्थापक-निदेशक, दिल्ली की सबसे प्रशंसित कंपनी और इसके कई सदस्यों की सफलता में सहायक थे। वह एनएसडी के थिएटर इन एजुकेशन कंपनी के संस्थापक-निदेशक भी थे, और सीबीएसई के लिए थिएटर पाठ्यक्रम बनाने में शामिल रहे हैं।

पुरस्कारों के 15 वें संस्करण के लिए जूरी की भी घोषणा की गई और इसमें प्रसिद्ध नाटककार, मंच निर्देशक और फिल्म निर्माता महेश दत्तानी, प्रसिद्ध नाटककार और उपन्यासकार मकरंद साठे, भारतीय मीडिया में एक कुशल नाम शैलजा केजरीवाल, अनुभवी बहुमुखी प्रतिभा की धनी अभिनेत्री सुषमा सेठ, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता, भारतीय फिल्मों और थिएटर जगत के अभिनेता, लेखक और निर्देशक सौरभ शुक्ला, अभिनेता-लेखक विनय पाठक, जो दो दशकों से भारतीय सिनेमा और थिएटर में सक्रिय रूप से शामिल हैं और प्रसिद्ध फिल्म, टेलीविजन और थिएटर अभिनेता और निर्देशक लिलेट दुबे शामिल हैं।

मेटा रंगमंच की आलोचना के मूल्य और महत्व को पहचानता है और इसे रंगमंच की कला की सेवा में एक आवश्यक कार्य के रूप में देखता है और सामाजिक और राजनीतिक ढाँचों में महत्वपूर्ण संवाद में इसका बड़ा योगदान है। 15 वर्ष के इस मील के पत्थर को चिह्नित करने के लिए, पहली बार, मेटा ने थिएटर में महत्वपूर्ण संवाद पर केंद्रित एक सम्मेलन के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ थिएटर क्रिटिक्स (IATC) के भारतीय राष्ट्रीय खंड के साथ सहयोग किया है। यह सम्मेलन कनाडा, हांगकांग, ईरान, जापान, लातविया, स्पेन, थाईलैंड, यूके और यूएसए के समकक्षों के साथ भारत के लगभग 15 थिएटर आलोचकों की मेजबानी करेगा। कामिनी और बिंदी बंगा परिवार ट्रस्ट द्वारा समर्थित सम्मेलन 18 मार्च, 2020 को होगा। कामिनी और बिंदी बंगा फैमिली ट्रस्ट, प्रदर्शन कला के माध्यम से कैंसर अनुसंधान और शिक्षा पर केंद्रित कार्य करता है।

महिंद्रा ग्रुप के कल्चरल आउटरीच, वाईस प्रेसिडेंट, जय शाह ने कहा, " यह वास्तव में महिंद्रा एक्सलेन्स इन थिएटर अवार्ड्स के लिए एक शानदार वर्ष है और जैसा कि हम 15 वें संस्करण की दहलीज पर हैं, हमें थिएटर के दिग्गज बैरी जॉन को 10 वां लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड देकर भी खुशी है। रंगमंच में उनका योगदान, विशेष रूप से स्कूली शिक्षा प्रणाली में रंगमंच को पेश करने पर उनका ध्यान, थियेटर थेरेपी का उपयोग और रंगमंच और प्रदर्शन उद्योग को आकार देने में उनकी भूमिका अमूल्य रही है। महिंद्रा ग्रुप और मेटा फेस्टिवल की ओर से, मैं उन्हें बधाई देता हूँ।"

यूके में जन्मे और शिक्षित, बैरी जॉन 1968 से भारत में रहते हैं और काम करते हैं। वह थिएटर एक्शन ग्रुप (1973-99) के संस्थापक-निदेशक, दिल्ली की सबसे प्रशंसित कंपनी और इसके कई सदस्यों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी : सिद्धार्थ बसु, मीरा नायर, लिलेट दुबे, दिव्या सेठ, पामेला रूक्स, शाहरुख खान और मनोज बाजपेयी, सबसे खास। वे नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (1977-80) के संकाय में अनुपम खेर, पंकज कपूर, अनु कपूर, सुरेखा सिकरी और मनोहर सिंह जैसे युवा अभिनेताओं को पढ़ाते और निर्देशित करते थे। उन्होंने अपने काम में ड्रामा थेरेपी को स्वीकार करने की दिशा में आंदोलन का बीड़ा उठाया है। उन्होंने पुणे में एफटीआईआई सहित कई थिएटर कंपनियों और संस्थानों के लिए देश के कई हिस्सों में प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की हैं, और फिल्मों सलाम बॉम्बे, मोहब्बतें और ड्रीमइंग लहासी, बैरी जॉन ने स्वयं समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों जैसे शतरंज के खिलाडी, मस्से साहिब गाँधी, तमस, लास्ट वाइसराय, द फ्रंटियर गाँधी और तेरे बिन लादेन जैसी फिल्मों में अभिनय किया है।

उन्होंने रोस्टेन एबेल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित नाटक ऑथेलो : अ प्ले इन ब्लैक एंड वाइट में भी अभिनय किया है, जिसने एडिनबर्ग फेस्टिवल में फ्रिज फर्स्ट अवार्ड जीता और तब से उन्होंने लंदन, काहिरा, हरारे, एम्स्टर्डम, रॉटरडैम, लिली, मुंबई, चेन्नई और बेंगलोर यात्रा की। उनके पास संगीत नाटक अकादमी से राष्ट्रीय पुरस्कार और साहित्य कला परिषद और दिल्ली नाट्य संघ से पुरस्कार हैं। उनकी पुस्तक प्लेइंग फॉर रियल, अभिनेताओं के लिए खेल और अभ्यास की एक पुस्तिका है जो मैकमिलन द्वारा प्रकाशित की गई है।

पिछले वर्षों में, मेटा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार भारतीय रंगमंच के दिग्गजों को प्रदान किया गया है, जिसमें विजया मेहता, अरुण काकड़े, रतन थियम, गिरीश कर्णार्ड, अब्राहिम अलकाज़ी, दिवंगत लईसनामा कन्हैयालाल, स्वर्गीय खालिद चौधरी, स्वर्गीय ज़ोहरा सहगल, स्वर्गीय बादल सरकार और महेश एलकुंचवार शामिल हैं।

मेटा सम्मान के लिए धन्यवाद देते हुए, बैरी जॉन ने कहा, " मेटा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से नवाजा जाना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है, यह पुरस्कार विशेष रूप से विशिष्ट पुरस्कारों की सूची में गिना जाता है, यह वास्तव में एक बड़ा सम्मान है। "

महिंद्रा एक्सीलेन्स इन थिएटर अवार्ड्स (मेटा) और फेस्टिवल 13 से 18 मार्च, 2020 तक नई दिल्ली के कमानी ऑडिटोरियम और श्री राम सेंटर में आयोजित किया जाएगा, जहाँ मेटा 2020 के दस शॉर्टलिस्ट किए गए नाटकों का प्रदर्शन जूरी सदस्यों के एक सम्मानित पैनल के साथ ही साथ राजधानी में

थियेटर-प्रेमी के लिए भी किया जायेगा । विजेताओं की घोषणा 19 मार्च, 2020 को कमानी ऑडिटोरियम में एक रेड-कारपेट अवार्ड समारोह में की जाएगी ।

नई दिल्ली के ताजमहल होटल में मेटा फेस्टिवल के मीडिया लॉन्च में एक पैनल चर्चा – ‘द ऑल द वर्ल्ड्स अ स्टेज’ की मेजबानी की । संजोय के. रॉय द्वारा संचालित पैनल में अविजित दत्त, एम.के. रैना और लुशिन दुबे ने रंगमंच की संस्कृतियों की जीवंत कलाओं के अनुशासन और अभ्यास पर गहन चर्चा की देखा । सत्र में रंगमंच और मंच के सार के बारे में बात की, थिएटर इतिहास और समाज के लिए प्रासंगिक है सामाजिक रुपरेखा और सुधार में इसकी भूमिका हमेशा ही रही है । देश में चल रहे सामाजिक-राजनीतिक प्रवचन के संदर्भ में, पैनल ने भारत के नारीवादी रंगमंच आंदोलन और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के साथ साथ थिएटर आंदोलन जैसे उल्लेखनीय के महत्व पर विचार-विमर्श किया ।

मेटा ने विजेता नाटक के थिएटरप्रेमियों के लिए प्रसारण के लिए जी थिएटर के साथ साझेदारी की घोषणा भी की है ।

महिंद्रा ग्रुप द्वारा अपने सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने, और टीमवर्क आर्ट्स द्वारा क्यूरेट किया गया, मेटा पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियों और प्रदर्शनों के साथ-साथ निर्माताओं और कलाकारों को एक नई पहचान दिलाता आया है।

टीमवर्क आर्ट्स प्रबंध निदेशक एवं फेस्टिवल प्रोड्यूसर संजोय के. रॉय ने कहा, “ पुरे वर्ष का यह वह समय है फिर से आया है जब मेटा दिल्ली में देश के सर्वश्रेष्ठ नाटकों का पावर-पैक कैमवास लाया है । हमें उन 15 शानदार वर्षों का हिस्सा होने पर गर्व है जो मेटा ने शक्तिशाली और उन्नत थिएटर के माध्यम से आधुनिक समय के कुछ सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों को दर्शकों तक पहुंचाया है । मेटा ने भारत के दूरदराज के कोनों से लोगों से बात की और भाषा और बोली की बाधाओं को पार करते हुए, कला की सच्ची शक्ति को अपनाया ! हम महिंद्रा समूह के साथ हमारी अद्भुत साझेदारी के लिए गदगद हैं और भविष्य में थिएटर के मामले को और भी बेहतर बनाने की ओर देखते हैं । ”

भारत के सर्वोत्तम थिएटर प्लेटफॉर्म मेटा ने इस वर्ष देशभर से 385 से भी अधिक नाटकों की प्रविष्टियाँ प्राप्त की हिंदी और अंग्रेजी भाषा के नाटकों के साथ-साथ इस वर्ष के नामांकन में हिंदुस्तानी, बंगाली, मराठी, मलयालम, बंगाली, असमिया और एक गैर-मौखिक नाटक भी शामिल है, जो सप्ताह भर चलने वाले फेस्टिवल में देश की विविधता का प्रतिनिधित्व करेंगे ।

मेटा 2020 के नामांकित नाटकों में ‘चहेता’ हिंदुस्तानी भाषा का नाटक अब्राहम के बेटे के उसकी दर्दनाक घटना से बचने के बाद हुए मनोवैज्ञानिक घावों की पड़ताल करता है । यह नाटक आसक्त कलामंच, पुणे द्वारा प्रस्तुत और मोहित टाकलकर द्वारा निर्देशित किया है । केरल से मलयालम नाटक ‘भास्करा पत्तेलारुम तोम्मियुडे जीविथावम’ इसी शीर्षक के उपन्यास पर आधारित है, जो प्रसिद्ध मलयालम लेखक पॉल जकारिया ने लिखा है । और सुवीरन द्वारा निर्देशित किया है. मराठी में दो नाटक शामिल हैं, जिनमें रणजित पाटील द्वारा निर्देशित ‘एकादशावतार’ जो (रामनारायण रुईया स्वायत्त महाविद्यालय) से है और दूसरा नाटक थिएटरॉन एंटरटेनमेंट पुणे से सुरज पारसनीस और विराजस कुलकर्णी द्वारा

निर्देशित मिकी हैं। जैसा कि नाम से पता चलता है कि “एकादशावतार ” हमारी भारतीय संस्कृति की पौराणिक मान्यताओं पर आधारित है। “मिकी” आधुनिक शेक्सपियरियन त्रासदी पर आधारित है ।

क्वासार ठाकोर पदमसी द्वारा निर्देशित अंग्रेजी नाटक ‘एवेरी ब्रिलियंट थिंग’ क्यू टी पी से विवेक राव और तोरल शाह द्वारा निर्मित है। एवेरी ब्रिलियंट थिंग’ प्यार, जीवन, परिवार, मानसिक स्वास्थ्य और दुनिया की सभी अद्भुत चीजों की एक सूची का प्रेरक है । निखिल मेहता द्वारा निर्देशित फोर द रेकॉर्ड में विचार-विमर्श, विवादों और 1971 की घटना के नाटक को दिखाया गया है। अभिनेता-नाटककार-कवि पीयूष मिश्रा द्वारा लिखित और निर्देशित, ‘गगन दामामा बजयों’ एक संगीतमय नाटक है, जो भारत के सबसे प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों में से एक, शहीद भगत सिंह के प्रेरक जीवन की कहानी को दर्शाता है। बंगाली नाटक, ‘धुम नेइ’ का निर्देशन सौरभ पालोधी द्वारा किया गया, जो समाज के कार्य क्षेत्र का एक घोषणापत्र है। असमिया भाषा का साहिदुल हक द्वारा निर्देशित ‘द ओल्ड मैन’ विश्व क्लासिक अर्नेस्ट हेमिंग्वे के “द ओल्ड मैन एंड द सी” का रूपान्तर है। सुनील कुमार द्वारा निर्देशित ‘भेज़’ एक गैर-मौखिक नाटक है, जो नौकर और बूढ़े व्यक्ति के बीच के संबंधों को याद दिलाता है ।

मेटा 2020 भारत में रंगमंच के लिए सबसे व्यापक और प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह है, जिसमें बेस्ट प्रोडक्शन, बेस्ट निर्देशक, बेस्ट स्टेज डिजाइन, बेस्ट लाइट डिजाइन, बेस्ट इनोवेटिव साउंड डिजाइन, बेस्ट कास्टूम डिजाइन, मुख्य भूमिकाओं में बेस्ट एक्टर, बेस्ट एक्ट्रेस, सहायक भूमिका में बेस्ट एक्टर और एक्ट्रेस, बेस्ट आन्साम्बल, बेस्ट कोरियोग्राफी और बेस्ट ओरिजिनल स्क्रिप्ट सहित 14 श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं। मेटा हर साल थिएटर जगत के दिग्गजों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से भी सम्मानित करता है।

नामांकन की पूरी सूची के लिए, कृपया www.metawards.com पर जाएं।

संपर्क

संतोष कुमार

M -9990937676

Attachments area